RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार, 21 दिसंबर 2022 वर्ष 04 अंक 211 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
# रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

## मुंबई महानगरपालिका अस्पतालों में दवा खरीदी की होगी जांच

### विधानसभा में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने की घोषणा

**मुंबई :** मुंबई महानगरपालिका के अस्पतालों और दवाखानों के लिए दवा खरीदने बाबत कथित भ्रष्टाचार की जांच कराई जाएगी। इस तरह की घोषणा मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने मंगलवार को विधानसभा में की। उन्होंने यह भी कहा कि स्वच्छता दूत की ही तरह मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में 5,500 आशा वर्कर्स की नियुक्ति की जाएगी।

नागपुर में शुरू राज्य विधान मंडल के शीतकालीन अधिवेशन के दूसरे दिन बीजेपी विधायक आशीष शेलार ने कांदिवली स्थित भारतरत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर महानगरपालिका शताब्दी अस्पताल का मुद्दा तारांकित प्रश्न के तहत उठाया। उन्होने सवाल किया कि सरकार अस्पतालों में रिक्त पदों को भरने, दवा खरीदी में बरती गई अनियमितता की जांच के संदर्भ में कार्रवाई करेगी क्या?।

**अस्पतालों में रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी**

तारांकित प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने दवा खरीदी में बरती गई अनियमितता की जांच की मांग को मान्य करते हुए आश्वस्त किया कि अस्पतालों में रिक्त पदों पर भर्ती की जाएगी। मुख्यमंत्री शिंदे ने यह भी कहा कि जिस तरह 5,000 स्वच्छता दूतों की नियुक्ति की जाने वाली है, उसी तरह 5,500 आशा वर्कर्स की भी नियुक्ति की जाएगी। मुख्यमंत्री शिंदे ने विधायक अतुल भातखलकर की उस मांग को भी स्वीकार करते हुए कहा कि अस्पतालों को लेकर विस्तृत चर्चा के लिए अलग से एक बैठक की जाएगी। उन्होंने कहा कि सेवन हिल्स अस्पताल महानगरपालिका को सुपूर्द करने बाबत प्रशासन को निर्देश दिया जाएगा। मनपा अस्पतालों के संदर्भ में हुई चर्चा में पराग अलवणी, योगेश सागर सहित अन्य विधायकों ने हिस्सा लिया।

## महाराष्ट्र विधानसभा सत्र:

## विपक्ष ने सरकार पर लगाया भ्रष्टाचार का आरोप...

## सीएम शिंदे का मांगा इस्तीफा

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र विधानसभा में शीतकालीन सत्र के दूसरे दिन भी विपक्षी नेताओं का हंगामा जारी रहा। सभी नेताओं ने शिंदे सरकार पर भ्रष्ट होने का आरोप लगाते हुए प्रदर्शन किया और इस्तीफे की मांग की। बंबई हाईकोर्ट की नागपुर पीठ द्वारा एकनाथ शिंदे की ओर से लिये गए एक फैसले पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश देने की पृष्ठभूमि में विपक्षी दलों के विधायकों ने मुख्यमंत्री से इस्तीफे की मांग की।

बता दें कि महाराष्ट्र की उद्धव ठाकरे सरकार में मंत्री रहे एकनाथ शिंदे ने झुग्गीवासियों को दी जाने वाली भूमि को कथित तौर पर 16 लोगों को पट्टा पर आवंटित करने का निर्देश दिया था। अदालत ने शिंदे के इस फैसले पर रोक लगा दी थी और सुनवाई के दौरान कहा था कि मामला लंबित होने के बादजूद इस भूमि को पट्टा पर देने का फैसला कैसे लिया गया। अदालत ने सरकार को आदेश दिया कि इस मामले में वह अपना पक्ष रखे। न्याय मित्र अधिवक्ता आनंद परचुरे ने 14 दिसंबर को हाईकोर्ट की एक पीठ को बताया था कि एकनाथ शिंदे ने एमवीए सरकार के शहरी विकास मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान एनआईटी को झुग्गी निवासियों की आवास योजना के लिए अधिग्रहित भूमि को अन्य 16 लोगों को देने का निर्देश दिया था।

### हम कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा मुद्दे पर राज्य विधानसभा में चर्चा चाहते हैं: आदित्य ठाकरे

**उद्धव ठाकरे गुट के नेता आदित्य ठाकरे ने कहा कि हम कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा मुद्दे पर राज्य विधानसभा में चर्चा चाहते हैं। हम जानना चाहते हैं कि दिल्ली में हुई बैठक में महाराष्ट्र के सीएम ने क्या कहा? कर्नाटक के सीएम इस मुद्दे पर आक्रामक हैं लेकिन हमारे सीएम डर के कारण इस बारे में बात नहीं करना चाहते।**

## घर की रसोई में महिला का शव बरामद

**मुंबई :** पत्नी की मौत के बाद अंतिम संस्कार के लिए पैसे नही होने पर शव को घर के रसोई में दफनाए जाने का मामला संभाजीनगर के वालुंज में सामने आया है। वालुंज इलाके के समता नगर में एक छोटे से घर की रसोई में एक महिला का सड़ा-गला शव बरामद हुआ है। इसके बाद पुलिस ने मृतक महिला के पति को हिरासत में लिया है। पुलिस ने बताया है कि मामला हत्या का निकला तो पति पर कार्रवाई की जाएगा। पुलिस ने बताया है कि १४ दिसंबर को मकान मालिक सूर्यकांत शेलके ने घर में प्रवेश करने के लिए ताला तोड़ दिया था। सूर्यकांत शेलके ने एक शख्स को यह मकान किराए पर दिया था लेकिन वह किराए का भुगतान किए बिना सब सामान छोड़ गया था। शेलके ने रसोई में फर्श की सतह को टूटा-फूटा पाया। उसने जमीन खोदी और एक महिला का शव देखकर वह डर गया। इसके बाद मकान मालिक ने पुलिस को सूचित किया। वालुंज थाने के इंस्पेक्टर सचिन इंगोले ने बताया है कि उन्होंने किराएदार का पता लगा लिया है और उसे हिरासत में ले लिया है।

## मुंबई से हो रहा है मोहभंग?

### 10 साल में घटी 2.3 फीसदी आबादी, बीएमसी की पर्यावरण रिपोर्ट में हुआ खुलासा

**मुंबई:** मुंबई को मिनी भारत कहा जाता है। यहां देश के हर कोने से लोग रोजगार की तलाश में आते हैं, जिसके कारण देश के अन्य महानगरों की अपेक्षा यहां जनसंख्या घनत्व काफी ज्यादा माना जाता है। लेकिन, बीएमसी की पर्यावरण रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक दशक में मुंबई में जनसंख्या वृद्धि में गिरावट आई है। पिछले एक दशक में मुंबई में जनसंख्या वृद्धि दर 1.5 प्रतिशत रही, जबकि वर्ष 2001 से 2011 बीच यह 3.8 प्रतिशत थी। यानी पिछले एक दशक में मुंबई की जनसंख्या में 2.3 प्रतिशत की गिरावट

आई है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार मुंबई में कुल जनसंख्या 1 करोड़ 26 लाख के करीब थी। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस सालों में मुंबई में कुल जनसंख्या में मात्र 3.37 लाख की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में, मुंबई की जनसंख्या बढ़कर 1 करोड़ 29 लाख 67 हजार हुई है। इस दौरान मुंबई में जनसंख्या वृद्धि दर 1.5 प्रतिशत रही, जबकि वर्ष 2011 के बीच मुंबई की जनसंख्या वृद्धि दर 3.8 थी।

रिपोर्ट की मानें, तो मुंबई में सबसे अधिक जनसंख्या बढ़ने का प्रमाण वर्ष 1951 में मिलता है। उस दौरान मुंबई की जनसंख्या में 66 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। उसके वर्ष 1971 में वृद्धि दर 43 प्रतिशत थी। इसी तरह वर्ष 1981 में 38 प्रतिशत, वर्ष 1991 में 21 प्रतिशत और वर्ष 2001 में जनसंख्या वृद्धि दर 20.6 प्रतिशत थी, जो वर्ष 2011 में मात्र 3,8 प्रतिशत रह गई। बीएमसी रिपोर्ट के अनुसार पिछले दशक में मुंबई की जनसंख्या वृद्धि दर में कमी आई है। जबकि राज्य की पिछली उद्धव सरकार ने जनसंख्या वृद्धि का हवाला देते हुए मुंबई में प्रभागों की संख्या में 9 की वृद्धि करते हुए 227 से 236 कर दिया था।

जून, 2022 में राज्य में सत्ता परिवर्तन के बाद एकनाथ शिंदे और

## २०२३ में कोरोना चीन पर फिर से कहर बरपाएगा!

**मुंबई :** कोरोना महामारी का संकट दुनिया के लगभग सभी देशों में टल गया है लेकिन की स्थिति अभी भी खराब है। वहां संक्रमण थमने की बजाए तेजी से बढ़ रहा है। अब अमेरिकी रिसर्च कंपनी ने कोरोना को लेकर चीन के होश उड़ाने वाले दावे किए हैं। रिसर्च में दावा किया गया है कि साल २०२३ में कोरोना चीन पर फिर से कहर बरपाएगा।

मिली जानकारी के अनुसार रिसर्च कंपनी ने ऐसा अनुमान लगाया है कि चीन में मौत का आंकड़ा १० लाख से भी पार होगा। उस वक्त चीन की करीब एक तिहाई आबादी कोरोना से संक्रमित होगी।

दरअसल अमेरिका स्थित इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ मेट्रिक्स एंड इवैल्यूएशन (आईएचएमई) के नए अनुमानों के अनुसार चीन के कड़े कोविड-१९ प्रतिबंधों के परिणामस्वरूप २०२३ तक मामलों का विस्फोट हो सकता है और १० लाख से अधिक मौतें हो सकती हैं। अनुमानों के अनुसार चीन में मामले १ अप्रैल के आस-पास चरम पर होंगे, जब मौतें ३,२२,००० तक पहुंच जाएंगी।

## संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

### रोमांच का फुटबॉल

*कई पश्चिमी देशों के तमाम विरोध के बावजूद एशियाई देश कतर ने फीफा के तत्वावधान में फुटबॉल विश्व कप का सफल व गरिमामय आयोजन कर विकसित देशों को करारा जवाब दिया। यह आयोजन तमाम शुरूआती उलटफेर के अलावा बेहद रोमांचकारी फाइनल मैच के लिये याद किया जायेगा। तेज होती सांसों और बढ़ती धड़कनों के बीच फाइनल की रात अर्जेंटीना के चोटी के खिलाड़ी मेसी और फ्रांस के एमबापे के बीच शानदार खेल की जंग के रूप में याद की जायेगी। मेसी के लिये यह जीवन-मरण का प्रश्न था क्योंकि तमाम ख्याति और उपलब्धियों के बावजूद वे अब तक अपनी टीम को विश्वकप का खिताब नहीं दिला पाये थे। यूं उनकी तुलना दुनिया के बेहतरीन फुटबॉलरों पेले और मारोडोना से होती रही है, लेकिन विश्वकप न जीत पाने से उनकी उपलब्धि फीकी नजर आती थी। यह उनका आखिरी विश्वकप बताया जा रहा था। बहरहाल रविवार को कतर के लुसैल स्टेडियम में जो उम्दा खेल देखा गया, उसे देखकर तमाम दिग्गजों ने कहा कि इतना रोमांचक फाइनल पहले कभी नहीं देखा। बहरहाल, कतर-22 विश्वकप जहां मेसी के सपनों को साकार करने वाला था, वहीं फ्रांस का लगातार दूसरी बार विश्वकप जीतने का सपना तोड़ने वाला। एमबापे के उम्दा खेल के बावजूद अर्जेंटीना को कामयाबी मिली। गोल्डन बूट हासिल करने के बावजूद हार से दुखी एमबापे को ढाढ़स बंधाने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को मैदान में उतरना पड़ा। बहरहाल सांसें थामने वाले इस फाइनल मैच में बेहतरीन फुटबॉल का खेल देखने को मिला। सत्तर मिनट तक एकतरफा नजर आने वाला फाइनल मैच बाद में लगातार नये रोमांच पैदा करता चला गया। मैच के दौरान अस्सीवें मिनट में पहला तथा दो मिनट बाद दूसरा तथा अतिरिक्त समय में तीसरा गोल करने वाले फ्रांस के बेहतरीन खिलाड़ी एमबापे का करिश्मा भी अर्जेंटीना को विश्वकप जीतने से वंचित न कर सका। यह संयोग ही है कि जहां अर्जेंटीना की राजधानी ब्यूनसआयर्स की सड़कों पर लोग दस नंबर की जर्सी के साथ झूम रहे थे, वहीं पेरिस में एमबापे की दस नंबर की जर्सी के साथ प्रशंसक उन्माद में थे। बस दोनों जर्सियों का रंग अलग था।बहरहाल, जब निर्धारित समय के बाद मिले अतिरिक्त समय में भी फाइनल मैच का फैसला न हुआ तो पेनल्टी शूटआउट से निर्णायक मैच का फैसला हो पाया। अर्जेंटीना के गोलकीपर एमिलियानो मार्टिनेज फ्रांस की जीत के बीच दीवार बने नजर आये। यही वजह है कि फ्रांस चार मौकों में दो ही को गोल में बदल सका। गोलकीपर मार्टिनेज की दीवार के सामने एमबापे की मेहनत बेकार होती नजर आई। टूनार्मेंट में सबसे ज्यादा गोल करने पर मिले गोल्डन बूट की चमक भी उसके मलाल को कम न कर सकी। राष्ट्रपति मैक्रों ने मैदान में आकर उसे संबल दिया कि हम जीत के करीब थे और ये सर्वोत्तम विश्वकप फाइनल था। निश्चय ही ऐसे लोकप्रिय वैश्विक आयोजन मानवीय भावों के चरम आवेगों को दशार्ते हैं। विचित्र संयोग देखिये कि जहां अर्जेंटीना के खिलाड़ियों की आंखों में खुशी के आंसू थे, वहीं फ्रांस के खिलाड़ियों की आंखों में हाथ आई जीत फिसलने के आंसू थे। कमोबेश ऐसी ही स्थितियां दोनों टीमों के समर्थकों में भी थी। बहरहाल, कतर में आयोजित फुटबॉल विश्वकप रोमांचक फाइनल के अलावा विवादों की श्रृंखला के लिये जाना जायेगा। वहीं अंततः सफल आयोजन के लिये उसकी सराहना भी हुई। दुनिया की कई बड़ी टीमों को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा। खासकर पहले मैच में नौसिखिया सऊदी अरब के हाथ अर्जेंटीना जैसी दिग्गज टीम की हार ने दुनिया को चौंकाया। जापान ने जर्मनी और स्पेन को हराकर चौंकाया। पहले अफ्रीकी देश के रूप में मोरक्को की टीम पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंची।*

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

# मनपा अब लोगो को वार्ड से उपलब्ध कराएगी

### नहीं करना पड़ेगा दुर्घटना के बाद इंतजार...

## फायर फाइटिंग के लिए दमकल की गाड़िया भी वार्ड में रहेगी खड़ी

**मुंबई :** दुर्घटना होने पर लोगो को तत्काल सुविधा उपलब्ध कराने के लिए हर संभव प्रयास मुंबई मनपा कर रही है। मनपा प्रशासन ने वार्ड में एक डिजास्टर का कंट्रोल रूम बनाने का निर्णय लिया है। मनपा ने लोगो को तत्काल सुविधा उपलब्ध करने के लिए वार्ड में एक दमकल की गाड़ी भी खड़ी करने का निणर्य लिया है। जिससे लोगो को तत्काल सुविधा मुहैया कराया जा सके। उल्लेखनीय है कि आग लगने, इमारत गिरने या किसी आपात स्थिति के समय लोग मनपा के डिजास्टर कंट्रोल रूम नंबर 1916 पर फोन करते हैं या कभी-कभी पुलिस कंट्रोल रूम में फोन करते हैं। फिर वहां से फायर ब्रिगेड व एनडीआरएफ से समन्वय कर घटनास्थल पर मदद के लिए टीम भेजी जाती है, इस पूरी प्रक्रिया में काफी समय लगता है। फंसे लोगों और घायलों को काफी कम समय में मदद मिले, बचाव एवं राहत कार्य जल्द से जल्द शुरू इसके लिए मनपा ने मुंबई के सभी 24 वार्डों में डिजास्टर मैनेजमेंट डिपार्टमेंट स्थापित करने का फैसला किया है। डिजास्टर डिपार्टमेंट के एक अधिकारी ने बताया कि सभी 24 वार्डों में डिजास्टर डिपार्टमेंट स्थापित करने की संकल्पना कोरोना संकट के दौरान मदद के लिए बनाए गए वार्ड वार रूम की सफलता से आया है। वार्ड वार रूम के जरिए हजारों कोरोना मरीजों की जान बचाने में मनपा सफल रही थी। मनपा को उम्मीद है कि सभी वार्डों में डिजास्टर मैनेजमेंट होने से बड़े पैमाने पर जान-माल के नुकसान को टाला जा सकेगा। अधिकारी ने बताया कि इसका मकसद दुर्घटना या आपातकाल के समय मदद पहुंचाने वाली एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और तत्काल मदद पहुंचाना है। सभी 24 वार्डों में डिजास्टर मैनेजमेंट स्थापित करने का खाका तैयार कर लिया गया

है , मैन पावर की व्यवस्था की जा रही है। मनपा आयुक्त से मंजूरी मिलते ही प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। अधिकारी ने बताया कि मनपा मुख्यालय में स्थित डिजास्टर कंट्रोल रूम में सामान्य दिनों में 7000 से 8000 कॉल आते हैं। जबकि बारिश के दिनों में इस पर 10 से 12 हजार कॉल आते हैं। 1916 हेल्पलाइन की 60 लाइनें होने के बाद भी कॉल वेटिंग पर रहता है। हर वार्ड में डिजास्टर कंट्रोल रूम रहने से लोग आसानी से मदद के लिए कॉल कर सकेंगे। सभी वार्डों के अलग-अलग हेल्पलाइन नंबर जारी की जाएगी। किसी भी दुर्घटना होने जैसे आग लगने, इमारत गिरने, गड्ढे, तालाब में या समुद्र में गिरने, किसी के कहीं फंसे होने पर लोगों को तुरंत मदद मिल सकेगी। इसी तरह हाईटाइड आने पर, घर में पानी नहीं आ रहा है, कुत्ते ज्यादा हो गए हैं, ट्रैफिक, लोकल ट्रेन की समस्या , रोड की समस्या, मेनहोल खुला होने, कचरा नहीं उठाया जा रहा है जैसी समस्याओं का आसानी से हल हो सकेगा।वार्ड में स्थापित कंट्रोल रूम अपने-अपने वार्ड में खतरनाक इमारतों, उसमें रहने वाले लोगों की जानकारी, समुद्र तटों, ट्रांजिट कैंप, मनपा स्कूलों, सामाजिक हॉल सहित अन्य जानकारी रखेगा।

## हंगामे के बीच 10 मिनट के लिए महाराष्ट्र विधानसभा स्थगित

**नागपुर :** महाराष्ट्र विधानमंडल के शीतकालीन सत्र का दूसरा दिन मंगलवार को विधानसभा में विपक्ष के हंगामे के साथ शुरू हुआ और प्रश्नकाल के दौरान विपक्ष द्वारा सदन में विरोध जारी रखने के कारण कार्यवाही 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गयी। सत्र की शुरूआत राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की विवादित टिप्पणी से जुड़े मुद्दों पर विपक्ष के विरोध प्रदर्शन के साथ हुई। विपक्ष के नेता श्री कोश्यारी को हटाने की मांग कर रहे थे। इसके अलावा, बिल्डरों का पक्ष लेने और उन्हें ऐतिहासिक महत्व के कई महत्वपूर्ण स्थल/भूमि देने के मुद्दे उठाए गए। कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के नेता अजीत पवार ने शिंदे-फडणवीस सरकार पर विकास परियोजनाओं को रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि शिंदे-फडणवीस सरकार ने अपने राजनीतिक लाभ के लिए पूर्ववर्ती महा विकास अघाड़ी सरकार के फैसलों को बदल दिया। इसके बाद विपक्षी सदस्यों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी। सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले विपक्षी सदस्यों ने विधान भवन की सीढ़ियों पर धरना दिया।

## जलगांव में पंचायत चुनाव परिणाम के बाद बवाल, बीजेपी कार्यकर्ता की मौत, 25 लोग हिरासत में

**महाराष्ट्र:** महाराष्ट्र के जलगांव जिले से चौंकाने वाली खबर सामने आई है। जहां ग्राम पंचायत चुनाव के नतीजे आने के बाद दो गुट आमने-सामने आ गए। चुनाव परिणाम के बाद एक गुट जब अपनी जीत का जश्न मना रहा था तभी दूसरे गुट के कार्यकर्ता वहां आ गए और दोनों में पक्षों में झड़प हो गई। इस दौरान जमकर पत्थरबाजी हुई। इस घटना में एक बीजेपी कार्यकर्ता गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्भाग्य से अस्पताल में उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, जामनेर तालुका के टाकली खुर्द गांव में ग्राम पंचायत चुनाव जीतकर भगवान के दर्शन के लिए जाते समय अचानक हुए पथराव में एक बीजेपी कार्यकर्ता की मौत हो गई। मृतक कार्यकर्ता की पहचान धनराज श्रीराम माली के रूप में हुई है। मृतक के परिजनों का आरोप है कि हराने वाले गुट के लोगों ने पथराव किया और उस पथराव में धनराज माली की मौत हो गई। जामनेर तालुका के टाकली खुर्द गांव में पंचायत चुनाव के नतीजे आज घोषित हुए। इस चुनाव में बीजेपी कार्यकर्ता एक-दूसरे के खिलाफ मैदान में उतरे थे। इस चुनाव में धनराज माली के भाई जितेंद्र माली सरपंच पद के लिए खड़े हुए थे। आरोप है कि जीत के बाद गांव में देवी के मंदिर में दर्शन के लिए जाते समय अचानक कुछ लोगों ने धनराज माली व उनके साथ मौजूद अन्य लोगों पर पथराव शुरू कर दिया। इस बीच कथित तौर पर कुछ लोगों ने विजय जुलूस पर लाठी-डंडों से भी हमला किया। बताया जा रहा है कि सिर पर पत्थर लगने से धनराज माली गंभीर तौर पर घायल हो गए।

## पुलिस विभाग के 18 हजार पदों के लिए 18 लाख से अधिक आवेदन

मुंबई, राज्य का युवा रोजगार के लिए मारा-मारा फिर रहा है। आलम यह है कि पुलिस के एक पद के लिए सौ से अधिक आवेदन आ रहे हैं यानी एक पद के लिए सौ दावेदार। ऐसे में युवा हाय रे रोजगार का रोना रो रहे हैं। पुलिस विभाग के एक अधिकारी के मुताबिक पुलिस विभाग के १८ हजार पदों के लिए १८ लाख से अधिक आवेदन आए हैं यानी एक पद के लिए एक सौ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं।

मीरा-भायंदर, वसई-विरार आयुक्तालय क्षेत्र में कांस्टेबल और वाहन चालक के १ हजार पदों के लिए विज्ञापन प्रकाशित हुआ था। इस पद के लिए आवेदन करने की अवधि ३० नवंबर को समाप्त हो गई है। इन १ हजार पदों के लिए कुल ७४ हजार २२१ लोगों का आवेदन पुलिस विभाग को प्राप्त हुए है। यानी एक पद लिए ४७ लोगों ने आवेदन किया है। आवेदन करनेवालों में ६०,९८९

पुरुष और १२,२२३ महिलाओं का समावेश है। इसी प्रकार वाहन चालक पद के लिए १,२३७ आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें १,१९६ पुरुष और ४१ महिलाओं का समावेश है। वेदांता-फॉक्सकॉन परियोजना की लागत १।५४ करोड़, १ लाख रोजगार, तलेगांव पुणे, बल्क ड्रग पार्क, ३ हजार करोड़, ४० हजार रोजगार, रोहा रायगढ़, मेडिकल डिवाइस पार्क, ४२४ करोड़, ३ हजार रोजगार, संभाजीनगर, टाटा एयर बस, २२ करोड़, ६ हजार रोजगार, मिहान नागपुर, सेप्रष्ठान परियोजना, १ हजार ११५ करोड़ की परियोजना मिहान नागपुर में लगनेवाली थी।

## पुलिसकर्मियों को होटल के स्टाफ ने पीटा

**नई मुंबई :** नई मुंबई स्थित कोपरखैरने के एक होटल में सिविल ड्रेस में खाना खाने गए तीन पुलिसकर्मियों को होटल के स्टाफ ने मिलकर पीट दिया। दरअसल तीनों पुलिसकर्मी बिना वर्दी के एक होटल में खाना खाने के लिए गए थे। वहां उन लोगों ने मटन हांडी ऑर्डर किया और कुछ देर बाद वेटर ने मटन हांडी लाकर उन्हें परोस दिया। तीनों ने कुछ खाना खाने के बाद कहा कि मटन में आपने वेज ग्रेवी क्यों डाली है? जिस पर वेटर ने कहा कि उसमें मटन की ही ग्रेवी है। अगर आपको अलग लग रही है तो हम बदलकर दे देंगे, जिसके बाद बदलकर दोबारा मटन परोसा गया। फिर भी उन लोगों ने कहा कि ये वेज ग्रेवी है, हमें मटन ग्रेवी ही चाहिए। बाद में होटल के मैनेजर ने कहा कि हमारे पास यही ग्रेवी है। इतना सुनते ही एक व्यक्ति ने मैनेजर को धक्का मार दिया, जिससे वह गिर गया।

# ठाकरे सरकार गिराने में भाजपा का हाथ - अजीत पवार

**नागपुर :** राज्य के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कल बयान दिया था कि सरकार आपकी नाक के नीचे खींच ली गई है। फडणवीस के इस बयान पर नेता प्रतिपक्ष अजीत पवार ने कड़वा जवाब दिया है। उन्होंने सच्चाई बताते हुए कहा कि भाजपा शुरू से ही ठाकरे सरकार को गिराने की कोशिश कर रही थी। ठाकरे सरकार गिराने में भाजपा का हाथ था। अजीत पवार ने दावा किया कि यह सच है। इसी के साथ उन्होंने उदाहरण दिया कि वैष्ठसे भाजपा, सरकार गिराने में शामिल थी? सरकार गिराने से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, ऐसा भाजपा शुरू में कह रही थी। लेकिन हाल ही में भाजपा में कुछ लोगों के बयान आए। किसी ने कहा कि मैंने ही विधायकों को गुवाहाटी जाने के लिए बुलाया था, वहीं फडणवीस के परिवार के कुछ लोगों ने बताया कि वैष्ठसे वेशभूषा बदलकर वे तत्कालीन मंत्री शिंदे से मिलने जाते थे, यह सभी जानते हैं। अर्थात ये शुरू से ही सरकार गिराने की तैयारी कर रहे थे। अजीत पवार ने कहा, यह तीसरा सच है।

एकनाथराव शिंदे उनके हाथ लग गए। शिंदे के पास एक समूह था। ताकि वे सरकार बदल सकें। लेकिन १५-१६ विधायकों के निलंबन का मामला कोर्ट में है। उनकी तारीख पर तारीख पड़ रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि न्यायालय के परिणाम के बाद तस्वीर साफ होगी। उन्होंने वैष्ठबिनेट में मंत्रियों की संख्या के बारे में भी बात करने से इनकार कर दिया। यह सब उनका पार्टी का आंतरिक मामला है। हम इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहते। उनका विषय है कि मंत्रिमंडल कितने का होना चाहिए। जनता का काम करना चाहिए। अजीत दादा ने कहा कि हमें वैष्ठबिनेट में कोई दिलचस्पी नहीं है। किसान, विदर्भ के मुद्दे, फसल बीमा का पैसा नहीं मिल रहा है। बिजली कटौती हो रही है। किसान आत्महत्या करने की हद तक उग्र रुख अख्तियार कर रहे हैं। ये तस्वीरें महाराष्ट्र की नहीं हैं। महंगाई, बेरोजगारी बढ़ रही है। इसमें कुछ ठोस नहीं होता है। प्रदेश की कई परियोजनाएं महाराष्ट्र से बाहर जा रही हैं। कई लाख करोड़ रुपए का निवेश होनेवाला था। कुछ लाख नौकरियां उपलब्ध होनेवाली थीं। यह निवेश क्यों नहीं हुआ? इसका कोई जवाब सरकार के पास नहीं है। सीमावाद का मुद्दा इतना गर्म कभी नहीं था।

## नागपुर विधानसभा परिसर में एकनाथ शिंदे खेमा को शिवसेना के पुराने कार्यालय का कब्जा मिला

**महाराष्ट्र :** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले 'बालासाहेबंची शिवसेना' गुट को शीतकालीन सत्र के पहले दिन सोमवार को नागपुर विधानसभा परिसर में शिवसेना के मौजूदा कार्यालय का कब्जा मिल गया। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट के एक नेता ने कहा कि उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाले गुट के विधायकों को एक अन्य कार्यालय आवंटित किया गया है। शिवसेना के दोनों खेमों के कार्यकताओं के बीच कार्यालय के आवंटन को लेकर दोपहर के समय वाकयुद्ध हुआ। संबंधित कार्यालय का शिवसेना तीन दशक से इस्तेमाल करती रही है।

एकनाथ शिंदे गुट के कार्यकताओं ने उद्धव ठाकरे और उनके बेटे आदित्य ठाकरे के चित्र कार्यालय से हटा दिए तथा वहां शिंदे के राजनीतिक गुरु दिवंगत आनंद दिघे का चित्र लगा दिया। बाद में, मुख्यमंत्री शिंदे कार्यालय पहुंचे। ठाकरे गुट के एक नेता ने दावा किया कि शिंदे के नेतृत्व वाले खेमे के कर्मचारियों ने शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के लिए काम करने वाले मौजूदा कर्मचारियों को संबंधित कार्यालय खाली करने और नए कार्यालय में जाने को कहा। कार्यालय के कुछ कर्मचारी इस घटनाक्रम के चलते रो पड़े। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के नेता और मुंबई के विधायक रवींद्र वायकर ने कहा, ''इन कर्मचारियों ने पिछले 30 वर्षों से एकनाथ शिंदे सहित शिवसेना के सभी विधायकों का विधायी कार्य किया है।''

# मुंबई में ट्रैफिक जाम की समस्या को गंभीर बना रही हैं बसें!

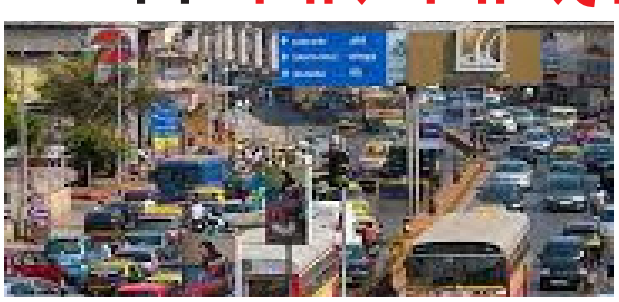

**मुंबई :** एक वक्त था जब मुंबई की हवा को सबसे स्वच्छ माना जाता था। अन्य शहरों की तुलना में मुंबई के वातावरण में कार्बन डाई ऑक्साइड और कार्बन मोनो ऑक्साइड जैसे 'जहर' काफी कम पाए जाते थे, परंतु हाल के महीनों में मुंबई में इसका प्रमाण तेजी से बढ़ा है। मुंबई की सड़कें, खासतौर पर मुंबई के हाइवेज पर बेढंगे तौर से पार्क की जानेवाली टूर्स और ट्रैवेल्स की बड़ी-बड़ी बसें, मुंबई में ट्रैफिक जाम की समस्या को न केवल गंभीर बना रही हैं, बल्कि इन गाड़ियों की 'अड़ीबाजी', प्रतिदिन शहर के लाखों मानवीय घंटे भी बर्बाद कर रही हैं। इससे बेवजह के ट्रैफिक जाम के साथ-साथ ईंधन का भारी मात्रा में नुकसान और जानलेवा वायु प्रदूषण भी बढ़ रहा है। बता दें कि दादर पोस्ट ऑफिस, सायन, बांद्रा, घाटकोपर, अंधेरी, गोरेगांव, बोरीवली समेत तमाम ठिकानों पर टूरिस्ट की बड़ी-बड़ी बसों को बेतरतीब खड़ा किया जाता है, जिनमें ट्रैफिक पुलिस की मिली-भगत भी बताई जाती है। मुंबई से शेष महाराष्ट्र, गोवा, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, केरल, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, मध्य प्रदेश और यूपी सहित दिल्ली व ओडिशा के कई शहरों के लिए रोजाना सैकड़ों बसें छोड़ी जाती हैं। एक अनुमान के आधार पर इन बसों का आंकड़ा लगभग ७ हजार के करीब हो सकता है। जो प्रतिदिन मुंबई के हाइवे पॉइंट्स से यात्रियों को पिकअप करती हैं। लंबी दूरी की इन बसों के ज्यादातर पिकअप पॉइंट अवैध ही होते हैं, जहां बेढंगे तौर से बसें रोकने से ट्रैफिक जाम हो जाता है। सायन निवासी ओमप्रकाश पांडे कहते हैं कि इन बसों के चलते सायन पुल के पास हर दिन भारी ट्रैफिक हो जाता है और घंटों जाम लगा रहता है। छोटे वाहनों को इनकी वजह से परेशानी का सामना करना पड़ता है। आश्चर्य तो तब होता है जब ये बसें बेतरतीब तरीके से खड़ी होती हैं और इनके ड्राइवरों को ट्रैफिक रूल तक याद नहीं आता। कई बार तो इनके ड्राइवरों के साथ कहा-सुनी की नौबत तक आ जाती है। घाटकोपर के सतेंद्र जैसवार ने कहा कि देर शाम को वैसे भी बड़ी संख्या में लोग अपने वाहनों से मुंबई से उपनगरों की ओर जाते हैं। काम-काज खत्म होने के साथ ही लोग घरों की ओर रवाना होते हैं। यहां घाटकोपर में रोजाना इन बसों के चलते ट्रैफिक जाम हो जाता है। ऐसा ही हाल शहर के कई अन्य इलाकों में भी होता है।

# हत्या के आरोप में ६ लोग गिरफ्तार

**मुंबई :** महाराष्ट्र के नासिक में पुलिस ने एक शख्स की हत्या के आरोप में ६ लोगों को गिरफ्तार किया है। ये हत्या करीब एक साल पहले हुई थी। पुलिस के मुताबिक अशोक भालेराव को पिछले साल २ सितंबर को एक अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी थी और उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। भालेराव के भाई को संदेह था कि ये कोई मामूली दुर्घटना नहीं हो सकती थी। जांच में पता चला कि भालेराव की हत्या ४ करोड़ रुपए के इंश्योरेंस की रकम हड़पने के लिए साजिश के तहत की गई थी।

मिली जानकारी के अनुसार अशोक भालेराव की आकस्मिक मौत के संदेह में मुंबई नाका थाने में एक अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था लेकिन करीब पंद्रह महीने बाद चौंकाने वाला सच सामने आया। ये कोई हादसा नहीं बल्कि हत्या थी। अशोक को उसके अपने ही दोस्तों ने मार डाला था। आरोपी मंगेश सावकर वारदात का मास्टरमाइंड थी। अशोक की अलग-अलग कंपनी की इंश्योरेंस पॉलिसी निकाली गई थी और शुरू में उनके मृत होने का नाटक करके किसी और का बीमा धन हड़पने की योजना था लेकिन वे सफल नहीं हुए। इसके बाद आरोपियों ने अशोक को ही मार डाला। इस मामले में एक महिला ने पत्नी होने का फर्जी दावा किया और अशोक के मर जाने के बाद इंश्योरेंस के पैसे उसके बैंक अकाउंट में आए। पैसे आते ही सभी ने वो पैसा आपस में बांट लिया। पुलिस ने इस मामले में मंगेश सावकर, रजनी समेत कुल ६ संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। मंगेश सावकर इसका मुख्य मास्टरमाइंड है और पुलिस ने उसके पास से एक पिस्टल और छह कारतूस भी बरामद किए हैं, जबकि महिला ने फर्जी दस्तावेज बनाया कि वह अशोक की पत्नी चारुशीला थी और बीमा की लगभग चार करोड़ रुपए की राशि हस्तांतरित कर दी।

## आखिर भारत में चीन पे चर्चा कब होगी? - मल्लिकार्जुन खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना कर उनसे यह सवाल पूछा है कि आखिर भारत में चीन पे चर्चा कब होगी? खड़गे ने कहा कि सदन के सभापति द्वारा उन्हें इस मुद्दे पर बात करने का अधिकार दिए जाने के बावजूद उन्हें राज्यसभा में तवांग में भारत-चीन झड़प के बारे में बोलने की अनुमति नहीं दी गई। खड़गे ने कहा कि चीनी सैनिक डोकलाम क्षेत्र में जंफेरी रिज तक निर्माण कर रहे हैं जो रणनीतिक सिलीगुड़ी कॉरिडोर के बहुत करीब स्थित है। उन्होंने कहा कि मामला हमारी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत चिंता का है। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे का बयान राहुल गांधी के उस बयान से मेल खाता है जो उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के १००वें दिन दिया था। कांग्रेस सुप्रीमों ने कहा मैंने सरकार को चीन से सावधान रहने की चेतावनी दी है। चीन के पैटर्न को देखें। वे लद्दाख और अरुणाचल की तरफ तैयारी कर रहे हैं लेकिन भारत सरकार सो रही है।

# 10वीं के छात्र ने लगाई फांसी...

## दौड़ प्रतियोगिता की हार नहीं हुई बर्दाशत

**नागपुर :** महाराष्ट्र के नागपुर में संभागीय खेलों की दौड़ प्रतियोगिता में हारने के बाद 16 वर्षीय एक लड़के ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली. पुलिस के एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी. हिंगना थाने के अधिकारी ने बताया कि दसवीं कक्षा का छात्र 16 दिसंबर को हुए खेलों के बाद घर लौटने पर अवसाद में था और उसने शनिवार शाम पेड़ से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली. उन्होंने कहा, 'ऐसा लगता है कि वह संभागीय खेलों में हुई दौड़ में हारने के बाद बहुत परेशान था. हमने दुर्घटनावश मौत का मामला दर्ज किया है और जांच की जा रही है.'

हार से परेशान होकर आत्महत्या करने का ये कोई पहला मामला नहीं है. बीते सालों में युवाओं द्वारा सुसाइड करने के आंकड़े तेजी से बढ़े हैं.अभी हाल ही में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो ने देशभर में छात्रों के बीच हो रही आत्महत्याओं के मामले पर आंकड़े जारी किए हैं. देशभर से ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां युवाओं ने करियर में सफलता न मिल पाने के कारण आत्महत्या की है. देश के कोचिंग हब कहे जाने वाले राजस्थान के कोटा में मेडिकल या इंजीनियरिंग में करियर बनाने के इच्छुक छात्रों द्वारा आत्महत्या के कई मामले सामने आए हैं.

**कोरोना महामारी के दौरान सबसे ज्यादा छात्रों ने की आत्महत्या**

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार देश में 2021 में सर्वाधिक 1834 स्टूडेंट्स ने महाराष्ट्र में आत्महत्या की, जिसके बाद दूसरे नंबर पर मध्य प्रदेश में 1308 और तीसरे नंबर पर तमिलनाडु 1246 छात्रों ने आत्महत्या की है. एनसीआरबी की एक्सीडेंटल डेथ्स एंड सुसाइड इन इंडिया रिपोर्ट में बताया गया है कि 2020 से 2021 में कोरोना वायरस महामारी के दौरान छात्रों की आत्महत्या में भारी बढ़ोतरी देखी गई है, जिसके कारण यह पिछले पांच सालों के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है. एनसीआरबी ने बताया कि 2021 में स्टूडेंट्स के द्वारा आत्महत्या करने के मामलों में 4.5% की वृद्धि देखी गई है, साल 2020 में देश में 12526 छात्रों की मौत आत्महत्या से हुई, जबकि 2021 में यह संख्या बढ़कर 13,089 हो गई.

### आत्महत्या करने के मामलों में छात्रों की संख्यां बढ़ी

**कोटा के अलावा देशभर में ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां युवा छात्रों ने अपने अकादमिक करियर में सफलता न मिल पाने के बाद आत्महत्या करने का फैसला लिया है. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के जारी आंकड़ों से पता चला कि आत्महत्या के मामलों पर हाल के सालों में छात्रों की आत्महत्या से होने वाली मौतों की संख्या में वृद्धि हुई है.**

# 2 मंजिल से 2 मजदूर गिरे, एक की मौत...दूसरा गंभीर घायल जयपुर रेफर, मृतक मुंबई का रहने वाला

अलवर शहर के अपनाघर शालीमार में निमार्णाधीन 2 मंजिला भवन से मशीन के साथ मजदूर नीचे आ गिरे। जिससे एक की मौके पर मौत हो गई। दूसरा गंभीर घायल है। जिसको जिला अस्पताल से जयपुर रेफर कर दिया। यह घटना मंगलवार दोपहर करीब 2 बजे के आसपास की है। अपनाघर शालीमार लोगों ने बताया कि यहां 2 मंजिला भवन का निर्माण जारी है। जिसकी दूसरी मंजिल पर वैल्डिंग का काम करने वाले मजदूर नीचे आ गिरे। अचानक पैर में रस्सी उलझने से मशीन के साथ दो मंजिल से नीचे आ गिरे। जिससे भगवानदास पुत्र रमेश चंद गुप्ता निवासी ई-1 रावलपाडा धहीसल ईस्ट मुबंई की मौत हो गई। भगवानदास अपने जीजा विजय गुप्ता के साथ अपना घर शालीमार में ही रहता था। वहीं मुन्ना लाल पुत्र डोमी प्रताप निवासी सुंदर नगर मंडेल कला पंजाब का रहने वाला है। यह व्यक्ति ठेकेदार के जरिए काम पर लगा था।

**पुलिस ने कहा रिपोर्ट नहीं मिली**

मामले की सूचना मिलने के बाद सदर थाने की पुलिस अस्पताल पहुंची। पुलिस ने बताया कि अभी परिजन मुंबई से नहीं आए हैं। परिजनों की रिपोर्ट मिलने के बाद आगे जांच करेंगे। अभी इतना ही पता चला है कि ये अपना घर शालीमार में एक भवन निर्माण के काम में लगे थे। वहां भवन से नीचे गिरने से मौत हो गई है। अब पूरी घटना का परिजनों की रिपोर्ट मिलने के बाद ही पता चल सकेगा। अभी घायल के परिजन भी नहीं आए हैं। जिसे अलवर जिला अस्पताल से रेफर कर दिया गया है।

# क्लब की पांचवीं मंजिल से गिरकर तीन साल के बच्चे की मौत...

## माता-पिता के साथ फीफा विश्व कप देखने गया था

**मुंबई :** महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के गरवारे क्लब की पांचवीं मंजिल से गिरकर तीन साल के एक बच्चे की मौत हो गई, जहां वह अपने माता-पिता के साथ फीफा विश्व कप फाइनल देखने गया था। एडीआर (एक्सीडेंटल डेथ रिपोर्ट) के तहत मामला दर्ज किया गया है। लड़के के परिवार ने क्लब प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। आगे की जांच जारी है। मरीन ड्राइव पुलिस ने इसकी जानकारी दी है।

**कैसे हुआ हादसा**

मरीन ड्राइव थाने के अधिकारी ने बताया कि बच्चा हृदयांशु राठौड़ अपने परिवार के सदस्यों के साथ क्लब में फीफा विश्व कप मैच देखने गया था। जब वह वॉशरूम से लौट रहा था तब वह फर्श की रेलिंग में फिसल कर पांचवीं मंजिल से गिर गया। पीड़िता के आगे चल रहे 11 साल के एक लड़के ने कुछ शोर सुना। अधिकारी ने कहा कि जब वह मुड़ा तो उसने पाया कि छोटा लड़का सीढ़ी के गड्ढे में गिर गया था। इसके बाद वह तुरंत ऊपर पहुंचे और इसकी जानकारी लड़के के परिजनों को दी।

### बच्चे के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई थीं

**अधिकारी ने कहा कि पीड़ित के परिवार के सदस्यों और क्लब के सुरक्षा गार्ड ने बच्चे को पास के एक अस्पताल में पहुंचाया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि बच्चे के सिर के पिछले हिस्से में गंभीर चोटें आई थीं। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने 11 वर्षीय लड़के और सुरक्षा गार्ड का बयान दर्ज किया है। अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनावश मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली गई है और घटना की आगे की जांच की जा रही है।**

# संजय राउत ने दिया कांग्रेस का साथ

## कहा- आप किताबें बदल सकते हैं, इतिहास नहीं

**मुंबई :** कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि, स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है, लेकिन भाजपा ने कोई बलिदान नहीं दिया है। अब खरगे के इस बयान को शिवसेना सांसद संजय राउत ने सही बताया है। उन्होंने कहा कि, भारत के इतिहास को देखते हुए कांग्रेस के बलिदानों को कोई नजरअंदाज नहीं कर सकता। संजय राउत ने कहा है कि यह सच है। आप नए दावे कर सकते हैं, नई किताबें बदल सकते हैं, लेकिन इतिहास नहीं बदल सकते। संजय राउत ने कहा है कि आज बीजेपी सत्ता में है तो आप किताब में नए पन्ने जोड़ सकते हैं, लेकिन जब कल कांग्रेस आएगी तो ये दावे भी धराशायी हो सकते हैं। संजय राउत ने आज मीडिया से बात करते हुए कहा, स्वतंत्रता संग्राम में कांग्रेस का योगदान एक सच्चाई है। इतिहास में कांग्रेस ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में शुरू से ही अपना योगदान और नेतृत्व किया है। कांग्रेस से हमारे मतभेद हो सकते हैं। लेकिन लोकमान्य तिलक, महात्मा गांधी, सरदार पटेल, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद, बाबू गेनू, नेताजी सुभाष चंद्र बोस के योगदान को स्वीकार करना होगा। देश की जनता को जगाने का काम कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने किया है। आप दिल्ली की सूरत, संसद भवन, राजपथ का नाम बदल सकते हैं। लेकिन इतिहास को बदला नहीं जा सकता। यदि आपने स्वतंत्रता संग्राम में योगदान दिया है, तो आपको इसे दिखाना चाहिए। ऐसा नहीं होता कि सिर्फ सत्ता में नहीं रहने से उनका इतिहास मिट जाएगा। जब आपकी सत्ता चली जाएगी तो आपने जो इतिहास लिखा है वह भी मिट जाएगा। संजय राउत ने आरोप लगाया कि जिनके पास स्वतंत्रता संग्राम का इतिहास नहीं है वे इसे बदलने की कोशिश कर रहे हैं। दरअसल, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जवाब मांगा। अलवर में बोलते हुए उन्होंने कहा, कांग्रेस ने देश को आजादी दिलाई। इंदिरा गांधी और राजीव गांधी ने देश की एकता के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। हमारी पार्टी के नेताओं ने अपनी जान दी, आपकी पार्टी ने क्या किया? क्या आपके घर में देश के लिए एक कुत्ता भी मरा है? क्या किसी ने कोई बलिदान दिया है? हम चीन के हमलों पर चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन सरकार इसके लिए तैयार नहीं है। सरकार शेर की तरह दहाड़ती है, असल में चूहे की तरह व्यवहार करती है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरोप लगाया कि हम देश के साथ हैं, लेकिन सरकार हमसे कुछ छुपा रही है।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव ( पूर्व ),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com